बर्षः– 06
अंकः– 22
मुरादाबाद
(Tuesday)
13 May 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हिमंत बिस्व सरमा लगातार दूसरी बार बने असम के सीएम; तीन दलों के चार विधायक बने मंत्री

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने पर हिमंत बिस्व सरमा को बधाई दी

गुवाहाटी सिर्फ शपथ ग्रहण का गवाह नहीं बना, बल्कि असम की राजनीति का सबसे बड़ा शक्ति प्रदर्शन भी दिखा। गुवाहाटी के खानापारा में भव्य समारोह आयोजित किया गया। शपथ लेने के साथ ही मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार राज्य की कमान संभाली है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। सरमा के साथ चार नवनिर्वाचित विधायक भी मंत्री बने। पूरे इलाके को हाई सिक्योरिटी जोन में बदला गया है। चुनाव में विकास, कानून–व्यवस्था और आक्रामक संगठनात्मक रणनीति के दम पर एनडीए ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमंत बिस्व सरम को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने उन्हें बेहद कुशल प्रशासक बताते हुए राज्य के लिए किए गए नवाचारपूर्ण कार्यों की सराहना की। हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रहा।

एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, असम के लिए यह एक बड़ा दिन है। एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को शपथ लेने पर बधाई।

उन्होंने एक शानदार प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए कई अहम काम किए हैं।

उनके कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए एक अलग पोस्ट में कहा, रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजयता नेओग को असम सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई। उनके लिए मेरी शुभकामनाएं, ताकि वे असम के विकास की गति को और मजबूत कर सकें। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज गुवाहाटी में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अमेरिका और असम के बीच पहले से कई व्यापारिक संबंध हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम दोनों देशों के लिए लाभकारी नए अवसरों की पहचान करेंगे।

नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई।हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अब नवनिर्वाचित विधायक मंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप शपथ ली है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इस दौरान पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें बधाई दी।हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा, हम बहुत खुश हैं, क्योंकि भाजपा–एनडीए ने पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में चुनाव जीते हैं। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा असम को विकास की दिशा में आगे ले जाएंगे।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य में भी हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गुवाहाटी पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, असम और उत्तर प्रदेश की जनता बहुत खुश है क्योंकि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम में एनडीए सरकार बनी है। भाजपा राज्य के समग्र विकास के लिए काम करती है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज इतिहास बनने जा रहा है, क्योंकि जनता ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास का विचार इस यात्रा का मार्गदर्शन कर रहा है। यह बयान उन्होंने नवनिर्वाचित असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले दिया।

संक्षिप्त समाचार

विनेश फोगाट के बयान पर सांसद करण भूषण का पलटवार, बोले– कोई जाहिल है तो हम लोग उसे सिखा नहीं सकते

गोंडा में विनेश फोगाट के बयान पर सांसद करण भूषण ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कोई जाहिल है तो हम लोग उसे सिखा नहीं सकते हैं। सबको मर्यादा में रहना चाहिए।यूपी में गोंडा के नवाबगंज स्थित नंदनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय ओपन सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप चल रही है। इसके अंतिम दिन मंगलवार को कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने महिला और पुरुष पहलवानों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान सांसद ने विनेश फोगाट के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई बेशर्म जैसे शब्दों का प्रयोग करता है तो यह उसकी मानसिकता को दर्शाता है। कोई जाहिल है तो उसको हम लोग सिखा नहीं सकते। हर किसी को अपनी मर्यादा पता होनी चाहिए। हम लोगों को भी कई बातें बुरी लगती हैं, लेकिन हम कुछ नहीं कहते।सांसद ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से करीब 1400 महिला और पुरुष पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। फ्री–स्टाइल और ग्रीको–रोमन दोनों वर्गों की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने नंदनी नगर के सेमी–डोम इंफ्रास्ट्रक्चर को एशिया के चुनिंदा बेहतर कुश्ती केंद्रों में शामिल बताया।

बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू होने पर PM ने जताई खुशी, कहा– हर घर तक पहुंचेगी केंद्र की योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में हर घर तक केंद्र की योजना पहुंचेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का सुचारू रूप से कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य केंद्र की प्रमुख योजना को लागू करेगा, जिसके तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। बंगाल के मेरे भाई–बहनों का कल्याण सर्वोपरि– पीएम मोदी– प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा %पश्चिम बंगाल के मेरे भाई–बहनों का कल्याण सर्वोपरि है। मुझे बहुत खुशी है कि राज्य के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा, जो विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इससे उच्च गुणवत्ता वाली एवं किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती है।% आगे कहा कि %डबल इंजन वाली सरकार प्रमुख केंद्रीय योजनाओं का निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी।% क्या है आयुष्मान भारत योजना? केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2018 में की थी। इस योजना का नाम अब बदलकर प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना (PMJAY) कर दिया गया है। इस योजना के तहत सरकार पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देती है। योजना के पात्र परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड दिया जाता है। इस कार्ड को दिखाकर पात्र व्यक्ति सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज करा सकता है।छह ऐतिहासिक निर्णय लिए– अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारी ने कहा कि नई भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने सहित छह ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में असल परिवर्तन लाना है। तृणमूल कांग्रेस को करारी हार देने के बाद भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता संभाली। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें हासिल कीं, जिससे टीएमसी को 80 सीटों तक सीमित कर दिया गया।

किसी ने कर्ज लिया, किसी ने गहने बेचे... और मिला पेपर लीक, राहुल गांधी ने साधा निशाना

पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई 2026 को आयोजित NEET-UG 2026 परीक्षा को रद्द कर दिया है। केंद्र सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैंकांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा रद्द होने का मामला नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा, "NEET 2026 की परीक्षा रद्द हो गई। 22 लाख से ज़्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। उन्होंने कहा कि किसी पिता ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों छात्रों ने रात–रात भर जागकर तैयारी की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा व्यवस्था में संगठित भ्रष्टाचार मिला। राहुल गांधी ने कहा कि हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सजा भुगतते हैं। अब लाखों छात्रों को दोबारा मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, अगर किसी की तकदीर मेहनत से नहीं, बल्कि पैसे और पहुंच से तय होगी, तो फिर शिक्षा का मतलब क्या रह जाएगा? राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का तथाकथित अमृतकाल अब देश के युवाओं के लिए विषकाल बन गया है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा घोटाले देश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं।पेपर लीक के आरोपों के चलते NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने पर, एक NEET उम्मीदवार ने कहा, अगर NTA जैसी इतनी बड़ी एजेंसी यह दावा करती है कि उसके पास GPS–ट्रैकिंग वाले वाहन हैं, तो ऐसी घटना होना ठीक नहीं है। इतनी कड़ी मेहनत करने के बाद, जब ऐसी कोई बात होती है, तो यह बहुत ही दुखद और मानसिक रूप से परेशान करने वाला होता है। पेपर लीक के आरोपों के चलते NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने पर, NEET के एक उम्मीदवार युवराज सिंह ने कहा, मैं अगले साल NEET की परीक्षा दूंगा। 2024 में भी ऐसा ही हुआ था। इस तरह की खबरों से उम्मीदवारों को बहुत ज़्यादा मानसिक आघात पहुंचता है। जयपुर में NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द किए जाने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने केंद्र और राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 3 मई को परीक्षा होने के तुरंत बाद ही छात्रों ने पेपर लीक की शिकायत कर दी थी, लेकिन फिर भी समय रहते कार्रवाई नहीं की गई। अशोक गहलोत ने कहा, यह समझ से बाहर है कि 3 तारीख को परीक्षा हुई और 3–4 मई को ही छात्रों ने पेपर लीक की शिकायत कर दी थी। फिर आखिर ऐसा क्या कारण था कि FIR दर्ज नहीं की गई? उन्होंने कहा कि 2024, 2025 और अब 2026 में लगातार तीन वर्षों से पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं। गहलोत ने कहा कि इससे देश की युवा पीढ़ी बेहद परेशान और निराश है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी है और अब इस समस्या का स्थायी समाधान निकालना जरूरी है। उन्होंने कहा, यह बहुत दुखद घटना है और हमें गंभीरता से सोचना होगा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएं।पेपर लीक के आरोपों के बाद NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने पर, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) ने ट्वीट किया, "FAIMA इस पेपर लीक के लिए तत्काल जवाबदेही की मांग करता है। हम चुप नहीं बैठेंगे। कड़ी से कड़ी सज़ा ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है।

छात्रों को राहतः दोबारा होगी NEET परीक्षा, फिर से फीस नहीं देनी होगी, रिफंड भी मिलेगा

एनटीए ने नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दोबारा एग्जाम कराने का फैसला लिया है। छात्रों को दोबारा आवेदन या फीस जमा नहीं करनी होगी। पहले जमा की गई परीक्षा फीस वापस की जाएगी। पूरे मामले की जांच अब सीबीआई करेगी।राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) ने नीट यूजी 2026 को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए 3 मई 2026 को आयोजित परीक्षा रद्द कर दी है। एजेंसी ने केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा की है। परीक्षा रद्द होने के फैसले के बाद छात्रों और अभिभावकों के बीच चिंता का माहौल है, हालांकि फीस रिफंड और दोबारा आवेदन की जरूरत न होने से अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है।एनटीए ने नोटिस जारी कर असमंजस की स्थिति को साफ करते हुए स्पष्ट किया है नीट यूजी परीक्षा दोबारा होगी। आइए जानते हैं कुछ जरूरी सवालों के जवाब जो एनटीए ने दिए हैं और जो हर अभ्यर्थी या उनके अभिभावकों के मन में उठ रहे होंगे...क्या नीट यूजी परीक्षा दोबारा होगी? हां, एनटीए ने नोटिस जारी कर अभ्यर्थियों को सूचित किया है कि परीक्षा दोबारा आयोजित कराई जाएगी। क्या फिर से आवेदन और शुल्क जमा करना होगा ? नहीं, फिर से आवेदन और शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को फिर से आवेदन करने या अतिरिक्त परीक्षा शुल्क जमा करने की जरूरत नहीं होगी। एनटीए ने नोटिस में कहा है कि पहले जमा की गई परीक्षा फीस भी छात्रों को वापस की जाएगी। नीट यूजी परीक्षा दोबारा कब होगी? एनटीए ने पुनर्परीक्षा की तिथि समय से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की है। एनटीए ने कहा है कि दोबारा आयोजित होने वाली परीक्षा की तारीखें और दोबारा जारी किए जाने वाले एडमिट कार्ड का शेड्यूल जल्द ही आधिकारिक आधिकारिक माध्यमों से जारी किया जाएगा। नीट यूजी 2026 परीक्षा कितने अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया? इस वर्ष नीट यूजी 2026 परीक्षा के लिए देशभर से लगभग 22.79 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। नीट यूजी परीक्षा कितने शहरों में आयोजित हुई? परीक्षा भारत के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में आयोजित की गई थी। एनटीए ने अभ्यर्थियों से क्या अपील की? एनटीए ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल एजेंसी के आधिकारिक माध्यमों पर भरोसा करें और सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट खबरों से बचें।

संपादकीय Editorial

Himachal Pradesh, helpless to settle down

In the midst of Chandigarh's progress, a lost Himachal Pradesh, searching for its roots and its identity, is at a crossroads, where it needs to protect its aspirations in property purchases and sales. The show of Himachali buyers in Sahauran village, Kurali, has been thwarted. The hill people, who invested close to fifteen crore rupees, have now been robbed in the land auction. The question is why this list is being slammed in the affluent Himachali neighborhoods. If the real estate boom around Chandigarh, with the lure of land purchases, managed to attract Himachalis for 60% of the deals, many houses were found missing during these divestitures. The culprits of property fraud are those advertisements that, in their finery, come to Himachali streets and inspire dreams of settling around Chandigarh. On the other hand, Himachal governments have merely thrown their weight behind the wheel and done nothing to address the reasons for this desire. Consequently, the hill people, driven by the modern possibilities of meeting their housing needs, are increasingly seeking new homes around Chandigarh. Nearly two decades ago, when a housing demand survey was conducted, approximately 76,000 people submitted advance payments to Himuda, requesting that their dreams of settling be realized, but nothing has been achieved to date. Now, the Sukhu government has once again boasted of establishing three new cities, plus an Aero City. With two cities seemingly opening their doors to Chandigarh, the question arises: do we want to accommodate Himachalis within their geographies, or do we want to try out "Chandigarh" in Him Chandigarh? The plans currently being drawn up for the survey of ten thousand bighas of land in Him Chandigarh impose additional amenities on investors, not just Himachal's housing, but Chandigarh's. Establishing a polo ground in Him Chandigarh may not bring anything to Himachal, but it will certainly attract Chandigarh. The question here is whether we want to settle Himachali potential near Chandigarh or provide new facilities for Chandigarh. At the very least, Him Chandigarh should meet Himachal's residential, commercial, economic, and cultural needs. It will only be justified if it helps prevent the displacement of young Himachalis, saves them from the exploitation of real estate in Punjab, and saves them from the job-seeking youth. Otherwise, this city will remain a colony of Chandigarh. It would be better to present Him Chandigarh to the world as an ambassador of Himachal, Himachalis, and Himachaliyat. The goals of establishing Him Chandigarh include adorning the city with Himachali talent, curiosity, and potential. This city should be a mirror of Himachal's professionals, IT professionals, and progressive class. This city will serve as a lung for educated Himachalis if it is redefined as an IT city and becomes a repository for young talent. It would be better to link the city's development model to Himachal's economic development, employment, and future dreams. Instead of building a polo ground, the city should be equipped to accommodate the various amenities of the Himachalis who visit Chandigarh daily. For example, if Him Chandigarh provides a safe haven for the economic potential surging daily in BBN, the investment landscape and potential will increase. The potential for a Himachal bus depot and bus stand in Chandigarh will also elevate the city. If, at the very least, Him Chandigarh helps Himachalis avoid being fleeced by the fraudulent properties in Kharar-Kurali, it will be a successful experiment.

Writers' Building: Is West Bengal Returning to the Home of Its Political Memories?

Built in 1777, the Writers' Building was named after the young employees of the East India Company, known as "Writers." These were the people who prepared the files of the British government and operated the machinery of revenue and administration. Considered the hallmark of Kolkata's BBD Bagh, the Writers' Building is not just an administrative building but a living symbol of West Bengal's political consciousness. Its red walls have witnessed the changing faces of power, from the early clerks of the East India Company to the Chief Ministers of independent India. This is why, whenever there is talk of resuming government work in this building, it becomes more than just a matter of changing offices; it becomes a matter of history, politics, and public sentiment. Built in 1777, the Writers' Building was named after the young employees of the East India Company, known as "Writers." These were the people who prepared the files of the British government and operated the machinery of revenue and administration. Over time, this building became the central secretariat of the Bengal administration. On December 8, 1930, revolutionaries Benoy Basu, Badal Gupta, and Dinesh Gupta attacked British officer N.S. Simpson in this very building. This incident also linked the building to the memories of the freedom struggle. Dalhousie Square was later renamed BBD Bagh. After independence, it remained the headquarters of the West Bengal government. Leaders like Dr. Bidhan Chandra Roy, Jyoti Basu, and Buddhadeb Bhattacharya ruled from this building. The word "Mahakaran" became synonymous with power in Bengal. During the Left Front rule, the Writers' Building was not just a secretariat, but a symbol of political power and administrative stability. Anyone visiting Kolkata could understand that power in Bengal resided here. In 2011, Mamata Banerjee ousted the Left Front from power. Two years later, she moved the secretariat to Nabanna. The reason behind this was that the Writers' Building was dilapidated and in need of extensive repairs. Secondly, it lacked modern security and disaster management facilities. Third, Mamata Banerjee desired a new workplace suited to her administrative style. Furthermore, establishing a new political identity by breaking away from the symbolic shadow of the Left regime was also considered a major factor. Nabanna provided Mamata Banerjee with a relatively controlled and modern administrative environment, but the Writers' Building never lost its place in the common Bengali psyche. While conservation and renovation work began, it was delayed for years due to slow pace, technical challenges, and administrative delays. Being a heritage building, altering its structure was not easy. A message of respect for historical heritage: The building became a symbol of whether our governments are serious enough about preserving our heritage. However, the BJP government's decision to resume operations from Writers' Building now carries several implications. There is a desire to reconnect with West Bengal's administrative tradition. This is a message of respect for historical heritage. It is an attempt to forge a new political identity after the change of power. It will also connect with the emotional memory of the people. The return to Writers' Building also signals that history cannot be completely abandoned. Ultimately, politics must return to its roots. It's also true that buildings of power are never neutral. The White House, 10 Downing Street, or Writers' Buildings are all symbols of their respective democracies. However, the Indian government's ministries have shifted from South-North Block in Delhi. Now, it is being converted into a museum. Mamata Banerjee's choice of Nabanna was a message of change. Now, the BJP government is returning to Writers' Buildings, signaling continuity, tradition, and historical legitimacy. But the public's final judgment will be based on governance, not the building itself. If employment, investment, law and order, education, and health improve, this return will be considered meaningful. Otherwise, it will remain merely symbolic politics. In reality, the story of Writers' Buildings is the story of Bengal. The colonial past, the freedom struggle, the Left rule, the rise of Trinamool Congress, and now an attempt to return to history. The red walls are being repopulated. Files will be moved again. Decisions will be taken again, but the real question remains: is Bengal merely returning to the edifice of its past or is it going to begin a new chapter of better governance?

AI Times: Chatbots are the next generation's true friends, but they will harm teens' social development and skills.

While AI chatbots have undoubtedly provided a new platform for youth expression, they also pose serious risks. According to a study, by 2026, three out of ten American teens will use AI daily. This highlights two major concerns. In 2022, the founders of chatbot startup Character.AI launched a platform where anyone could create AI-powered characters that could communicate. Within minutes, its more than 20 million users created over 10 million more chatbot characters. Most of these creators were young. But then the situation began to change. In November 2025, when suicides among teens and young adults began to rise, Character.AI banned its use by teens under 18. This move effectively stifled the creative and emotionally expressive AI experiments being conducted by young people. We researched the new experiments young people are doing with AI to help us move towards a better future. According to research, by 2026, three out of ten American teenagers will use AI daily. This highlights two major concerns: First, young people will replace real human friendships with AI. Second, interacting with sycophantic chatbots instead of real people will hamper teens' social development and skills. These concerns are justified. According to a Pew Research Center survey, 57% of teens use AI for information, 54% for homework, 47% for entertainment, 12% for emotional support or advice, and 8-11% for loneliness relief. Our team spent over eight months between July 2024 and March 2025 on Character.AI's official online chat platform, Discord, which has over half a million members. We analyzed 2,236 posts made by young people aged 13 to 17. Based on analysis of discussions with these teens, we identified three main motives for engaging with Character.AI. We found that young people used characters for emotional comfort, venting, stress relief, and mood regulation. Instead of replicating formal clinical practice, we observed young people discussing "comfort bots." Young people explored boundaries, created creative worlds, and fostered a love for their favorite characters. One teen wrote three books through character interactions. Another, inspired by her love for theater, created a group of traveling theater characters. They reported that this exposed their skills to the world, enhanced their creativity, and improved their writing. Many young people used AI to understand real-life relationships and reimagine difficult real-life situations. Some created clones of themselves. Inspired by reality, they created characters that reflected challenging real-world relationships, such as a devious friend or a troublesome sister. We also analyzed patterns in seven specific characters that young people were creating and discussing. These included emotional support characters, characters who joked, challenged, and made absurd statements, emotionally complex characters, and characters based on real people. Young people were deliberately creating characters who were distressed, transcendent, playful, creative, and reflective. This indicates that we need to stop treating "companion AI" as a homogeneous entity. Treating AI chatbots as the same is like treating all forms of screen time as the same experience. There's a difference between a child watching an animation series with their family or scrolling through Reels on their phone alone instead of going to bed at night. Young people's experiences, experiments, and ideas matter. Imposing restrictions simply won't lead to better and safer AI products for teens. The solution isn't to keep young people away from AI, but rather to create AI that they trust, foster creativity, and connect them to the physical world, including family, friendships, and community. -With Eduardo Velloso and Marcus Carter- Superhuman is a cutting-edge AI-based email and productivity tool designed specifically for those who send or view a large number of emails daily. This tool, with the help of AI, makes writing, replying, summarizing, and organizing inboxes much faster. It includes an AI Drafts feature that creates entire emails from just a few words or bullet points. The Instant feature automatically creates draft replies to incoming emails, while the Auto Summarize feature provides a short summary of long email threads.

डिजिटल लॉक खोल आसानी से घुसे, नहीं बजा अलार्म, चाबियां लाए थे साथ;घर में ही छिपा मुरादाबाद डकैती का राज

मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर करोड़ों की इस डकैती का राज घर के इर्द-गिर्द ही छिपा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बेहद कड़ी सुरक्षा वाले घर में बदमाशों का इतनी आसानी से घुस आना, अलार्म का ऐन वक्त पर धोखा दे जाना और नकदी-जेवर का टेबल पर ही रखा मिल जाना सवाल खड़े कर रहा है। बदमाशों को पूरी जानकारी थी कि घर में बड़ा कैश है। महज दस मिनट में बदमाश वारदात को अंजाम देकर आसानी से भाग गए। पुलिस की प्राथमिक जांच से सामने आया है कि डकैती में कुछ करीबी शामिल हो सकते हैं। कारोबारी और उनके परिवार के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। मुरादाबाद के नागफनी इलाके में डकैती की घटना से हड़कंप मच गया। नागफनी थाना क्षेत्र के बंगला गांव स्थित अकबर कंपाउंड में रविवार रात डिजिटल लॉक खोलकर छह बदमाश घुस गए। परिवार को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी कैमरों का डीवीआर ले गए, सभी बदमाशों ने चेहरे पर नकाब बांध रखा था। मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर करोड़ों की डकैती में जांच के दौरान पुलिस को सुराग मिले हैं। घर के इर्द-गिर्द ही राज छिपा है। बदमाश डिजिटल लॉक खोलकर आसानी से घर में घुस गए। इस दौरान अलार्म नहीं बजा। इसके साथ ही घर के अंदर नकदी और जेवर भी टेबल पर ही रखे मिल गए। ऐसे में पुलिस के सामने कई सवाल खड़े हो रहे हैं।मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर करोड़ों की इस डकैती का राज घर के इर्द-गिर्द ही छिपा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बेहद कड़ी सुरक्षा वाले घर में बदमाशों का इतनी आसानी से घुस आना, अलार्म का ऐन वक्त पर धोखा दे जाना और नकदी-जेवर का टेबल पर ही रखा मिल जाना सवाल खड़े कर रहा है। बदमाशों को पूरी जानकारी थी कि घर में बड़ा कैश है। महज दस मिनट में बदमाश वारदात को अंजाम देकर आसानी से भाग गए। पुलिस की प्राथमिक जांच से सामने आया है कि डकैती में कुछ करीबी शामिल हो सकते हैं। कारोबारी और उनके परिवार के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।मूलरूप से डिलारी के ढकिया निवासी इमरान ने सात साल पहले इसी अकबर कंपाउंड में आकर एक मकान बनाया था। यह मकान अंदर की साइड में था। इसलिए दूसरे मकान का निर्माण कराया। दो साल पहले नया मकान बनने के बाद परिवार इसमें शिफ्ट हो गया था। अकबर कंपाउंड में ही अलीजा इंटरप्राइजेज नाम से फर्म है। जिसमें पीतल के उत्पाद तैयार किए जाते हैं। जिसकी सप्लाई देश के अलग अलग राज्यों में की जाती है।कारोबारी के मकान में दो गेट हैं। एक गेट का व्यावसायिक इस्तेमाल होता है, जबकि दूसरे गेट का इस्तेमाल परिवार के लोग करते हैं। बड़े गेट पर बी डिजिटल लॉक और छोटे पर सी डिजिटल लॉक है। इन दोनों का कंट्रोल पहली मंजिल पर वॉश बेसिन के पास दीवार पर लगा है। यहां से सी और बी दबाने पर गेट खुलते हैं या फिर चाबी से खुल सकते हैं। दूसरी चाबी लगाने पर अलार्म बज जाता है।इसके अलावा पूरे घर में 20 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। मुख्य गेट, मकान के दोनों साइड, गैराज, जीने, और छत पर भी कैमरे लगे हैं लेकिन वारदात वाली रात न तो अलार्म बजा और न ही परिवार के किसी व्यक्ति ने सीसीटीवी कैमरों में किसी की तस्वीर देखी।

पूरा परिवार देर रात 12 बजे बड़ी बेटी अरीबा का जन्मदिन मनाकर लौटा था। इसलिए कारोबारी की पत्नी ने जेवर उतारकर टेबल पर ही रख दिए थे। रजिस्ट्री कराने के लिए 1.20 करोड़ की नकदी कारोबारी के पास रखी थी। दस मिनट में बदमाशों ने जेवर-नकदी कब्जाई और चलते बने। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कॉलोनी और शहर के अन्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जरिये बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जिस तरह बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है उससे लग रहा है कि बदमाशों को पूरी जानकारी थी कि कारोबारी के घर में कैश है। वारदात से कॉलोनी के लोग भी दहशत में- बदमाश भले ही कारोबारी के घर में मात्र 10 मिनट रहे हों लेकिन परिवार अब भी दहशत में है। सोमवार की दोपहर कारोबारी की तो तबीयत भी खराब हो गई। एक बेटी इतनी दहशत में आ गई है कि अपनी रिश्तेदारी में चली गई। इस परिवार के अलावा कॉलोनी के लोग भी दहशत में हैं। सोमवार की सुबह से लेकर देर रात तक पुलिस टीमें बार बार कॉलोनी में आती रहीं। पुलिस की गाड़ियों के सायरन से वह सो नहीं पाए। नौ साल बाद शहर में डकैती की बड़ी वारदात - शहर में करीब नौ साल बाद डकैती की बड़ी वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया है। इससे पहले 22 जुलाई 2017 में भरी दोपहर में बदमाशों ने रामगंगा विहार में सोनकपुर स्टेडियम के पास सराफ की कोठी में वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों ने पूरे परिवार को हथियारों के बल पर ले लिया था और नकदी, जेवर समेत करोड़ों का माल बटोर कर ले गए थे। अगले दिन पुलिस ने चक्कर की मिलक के बदमाशों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर उनसे तीन किलो सोना और 58 किलो चांदी बरामद की थी।कारोबारी के बेटे को पिस्टल दिखाकर धमकाया- मुरादाबाद। कारोबारी इमरान के बेटे अरीब ने बताया कि जिस वक्त बदमाश पूरे परिवार के एक कमरे में बंद कर रहे थे, वह दरवाजे से सटकर खड़ा हो गया। जिससे दरवाजा पूरी तरह लॉक नहीं हुआ। बदमाशों के जाने के बाद अरीब ने स्कूटी निकालकर पीछा किया। नागफनी थाने की ओर जाने वाले रास्ते पर अकबर कंपाउंड के गेट नंबर दो पर पहले से सैंट्रो और अर्टिगा कार खड़ी थीं। जिसमें बदमाश बैठकर भागने लगे। इसी बीच एक बदमाश ने अरीब को पिस्टल दिखाकर गोली मारने की धमकी दी और कहा कि अगर जिंदगी चाहता है तो वापस चला जा। इसके बाद अरीब डर गया वह स्कूटी घुमाकर लौट आया। शोर होने पर आस-पड़ोस के लोग भी आ गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। करीब ढाई करोड़ में हुआ है 250 मीटर का सौदा - दुबई में बैठे पार्टनर के साथ मिलकर खरीदा था जिगर कॉलोनी में प्लॉट - पीतल कारोबारी इमरान पीतल के अलावा प्रॉपर्टी का काम भी करते हैं। उन्होंने दुबई में बैठे अपने पार्टनर हाजी मेहंदी के साथ मिलकर जिगर कॉलोनी में 250 मीटर के प्लॉट का करीब ढाई करोड़ रुपये में सौदा तय किया है। सोमवार को प्लॉट की रजिस्ट्री होनी थी। इसके लिए इमरान ने अपने पार्टनर, करीबी और रिश्तेदारों से रकम जुटाकर घर में रखी थी। इसकी जानकारी परिवार के अलावा उनके कुछ करीबी, मित्र और पार्टनर और कुछ अन्य लोगों को थी। इन सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुटी है।

रेस्टोरेंट तक पहुंची पुलिस, स्टाफ से की पूछताछ, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली कारोबारी की बेटी का रविवार को जन्मदिन था। पूरा परिवार रात करीब आठ बजे हाई स्ट्रीट में एक रेस्टोरेंट में पहुंचा था। यहां परिवार ने जन्मदिन मनाया और डिनर भी किया था। करीब 12 बजे तक परिवार यहां मौजूद रहा था। परिवार के अलावा कुछ रिश्तेदार, मित्र और करीबी पार्टी में शामिल हुए थे। इसके बाद परिजन घर आ गए थे। पुलिस की एक टीम पड़ताल करते हुए रेस्टोरेंट तक पहुंची। स्टाफ से पूछताछ की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें देखा गया है कि कोई संदिग्ध व्यक्ति परिवार की रेकी तो नहीं कर रहा था। पुलिस यह भी पड़ताल कर रही है कि इस परिवार के घर से निकलने और वापस आने के बीच कोई व्यक्ति इनके गेट के आस पास तो नहीं घूम रहा था।

संक्षिप्त समाचार

बच्चियों को हिजाब और बच्चों को पहनाई टोपी, प्रार्थना की जगह होती थी दुआ, जांच को पहुंचे डीएम

जनपद के पीएमश्री विद्यालय जालब सराय में कथित धार्मिक गतिविधियों और विद्यालय परिसर में मजहबी शिक्षा को बढ़ावा देने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। मामले में तीन शिक्षकों के निलंबन और दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई स्वयं विद्यालय पहुंचे और पूरे मामले की गहनता से जांच-पड़ताल की। जांच के दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिन्होंने अधिकारियों को भी चौंका दिया। बताया जा रहा है कि विद्यालय से जुड़े कुछ वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें विद्यालय परिसर में कथित रूप से धार्मिक गतिविधियां संचालित होने के संकेत मिले। मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों और स्टाफ से बातचीत की। जांच में यह बात सामने आई कि विद्यालय में बच्चियों को हिजाब पहनाया जा रहा था, जबकि बच्चों को इस्लामी टोपी पहनने के लिए कहा जाता था। इतना ही नहीं, विद्यालय में निर्धारित प्रार्थना के स्थान पर लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी दुआ कराए जाने की बात भी सामने आई। जांच में यह भी आरोप सामने आए कि कुछ शिक्षकों द्वारा विद्यालय के नियमित पाठ्यक्रम से हटकर मजहबी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा था। प्रकरण में प्रधानाध्यापक मोहम्मद अंजार अहमद और सहायक अध्यापक मोहम्मद गुल एजाज की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर थाना नखासा में रविवार शाम दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं प्रधानाध्यापक मोहम्मद अंजार अहमद, सहायक अध्यापक मोहम्मद गुल एजाज और प्रभारी प्रधानाध्यापक बालेश कुमार को निलंबित कर दिया गया। सोमवार दोपहर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भारी प्रशासनिक टीम के साथ विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने विद्यालय परिसर, कक्षाओं और प्रार्थना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों से अलग-अलग बातचीत कर जानकारी जुटाई गई। कई बच्चों ने अधिकारियों को बताया कि स्कूल में टोपी पहनाई जाती थी और दुआ भी कराई जाती थी। अधिकारियों ने शिक्षकों से भी पूरे मामले में जवाब-तलब किया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने बताया कि विद्यालय का पूरा करिकुलम निर्धारित होता है। बच्चों की प्रार्थना से लेकर उन्हें पढ़ाई जाने वाली सभी कक्षाओं तक सब कुछ तय है। उन्होंने कहा कि निर्धारित पाठ्यक्रम और शासन की गाइडलाइन से हटकर किसी भी प्रकार की गतिविधि कराना गलत है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसपी बोले- बच्चों पर नहीं थोप सकते व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताएं पीएमश्री विद्यालय जालब सराय में कथित धार्मिक गतिविधियों और मजहबी शिक्षा को बढ़ावा देने के मामले में सोमवार को विद्यालय पहुंचे पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने स्पष्ट कहा कि किसी भी शिक्षक को अपनी व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताओं को छोटे बच्चों पर थोपने का अधिकार नहीं है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी की शिकायत पर शिक्षकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुरादाबाद मंडल में झमाझम बारिश से मौसम सुहाना, कई जगहों की बिजली गुल, वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक

मुरादाबाद मंडल में मंगलवार सुबह अचानक मौसम बदलने के साथ झमाझम बारिश हुई। तेज हवाओं और काले बादलों के बीच हुई बारिश से लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली। कई जगह जलभराव और जाम जैसी स्थिति भी बनी रही।मुरादाबाद मंडल में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिला दी। सुबह तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश ने पूरे मंडल का मौसम बदल दिया। मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, संभल और चंदौसी में जमकर बारिश हुई।कई जगहों पर आसमान में घने काले बादल छाने से दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया। मुरादाबाद में सुबह अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। इसके बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और कई स्थानों पर लोग बारिश से बचने के लिए दुकानों के नीचे खड़े नजर आए।रामपुर में सुबह से उमस भरी गर्मी के कारण लोग परेशान थे, लेकिन कुछ ही देर में आसमान पर काले बादल छा गए। तेज हवाओं और बादलों की गड़गड़ाहट के बीच शुरू हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया। बारिश इतनी तेज रही कि दिन में अंधेरा जैसा माहौल बन गया और वाहन चालकों को लाइट जलाकर सफर करना पड़ा। तेज बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों और सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर जाम जैसी स्थिति भी बनी रही। हालांकि लंबे समय से गर्मी से परेशान लोगों ने बारिश का स्वागत किया। अमरोहा में भी मंगलवार सुबह मौसम पूरी तरह बदला नजर आया। मंडी धनौरा क्षेत्र में सुबह करीब नौ बजे तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। आसमान में घने काले बादल छाने से दिन में ही रात जैसा माहौल बन गया। संभल और चंदौसी में भी जमकर बारिश हुई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत महसूस की। बच्चों और युवाओं ने बारिश का आनंद लेते हुए मौसम का भरपूर लुत्फ उठाया। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है और कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना भी है।

संभल में जोरदार धमाके से दहशत: इशाकपुर के कई घरों पर आई दरारें, बाहर बंधे पशु झुलसे, गांव में मची अफरा तफरी

संभल के इशाकपुर गांव में जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट से आसपास के कई घरों में दरारें आ गईं, खिड़कियों के शीशे टूटने के साथ पशु झुलस गए। सूचना पर एएसपी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।संभल जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव इशाकपुर में जोरदार धमाके से पूरे गांव में दहशत फैल गई। धमाका गांव के एक खंडहर में हुआ। इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरारें आ गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया।घटना में पास में बंधे आधा दर्जन से अधिक पशु भी झुलस गए। हादसे के बाद गांव में कुछ समय के लिए भगदड़ जैसे हालात बन गए। ग्रामीणों के मुताबिक बुलंदशहर के मुबारकपुर निवासी श्यौराज का मकान लंबे समय से गांव में खंडहर हालत में पड़ा हुआ था।तेज आवाज सुनकर सहमे लोग

मंगलवार सुबह अचानक उसमें तेज धमाका हो गया। धमाके के समय आसपास मौजूद लोग तेज आवाज सुनकर सहम गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। कई महिलाओं और बच्चों में भय का माहौल बन गया। बताया गया कि खंडहर मकान के पास मनोज और ब्रह्मप्रकाश निवासी इशाकपुर की भैंसें बंधी थीं। धमाके की चपेट में आने से पशु झुलस गए। खिड़कियों के शीशे टूटे- ग्रामीणों ने किसी तरह पशुओं को वहां से हटाया। वहीं कई मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं और खिड़कियों के शीशे टूटकर बिखर गए। कुछ घरों में रखा घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रजपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी मनोज रावत भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची - पुलिस ने इलाके को घेरकर लोगों की भीड़ हटाई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी ली। शुरुआती जांच में धमाके के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि खंडहर मकान में किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ तो नहीं रखा गया था। पहले भी धमाके की घटना हो चुकी- एएसपी मनोज रावत ने बताया कि मामले की जांच सभी बिंदुओं पर की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इशाकपुर गांव में इससे पहले भी धमाके की घटना हो चुकी है। ऐसे में लोगों में डर और चिंता का माहौल है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों ने मामले की गहराई से जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर कोई व्यक्ति घायल अवस्था में नहीं मिला है। आशंका जताई जा रही है कि धमाके के समय वहां कोई मौजूद था। जो घटना के बाद मौके से भाग गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आंधी-तूफान के साथ सड़कों पर गिरे पेड़ और यूनिपोल मूसलाधार बरसात, पारा गिरने से मिली राहत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। शहर का मौसम मंगलवार सुबह सुहाना हो गया। आंधी के साथ मूसलाधार बरसात के बाद लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विशेषज्ञों ने तेज बारिश का अनुमान लगाया था। लिहाजा सुबह से आसमान में बादल छाने से मौसम में ठंडक रही।

सुबह करीब 10 बजे के बाद आसमान में काले बादल छाने शुरू हो गए। आंधी की आशंका देख लोगों ने जल्दी-जल्दी अपने गंतव्यों तक पहुंचना शुरू कर दिया। सुबह करी 10-45 बजे तेज आंधी चलने लगी। जिसमें कई जगह होर्डिंग आदि तक उड़ गए। आंधी के साथ मूसलाधार बरसात भी शुरू हो गई। बारिश के कारण तापमान में तेजी के साथ गिरावट दर्ज की गई। सुबह 11 बजे तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

उधर तेज हवा के चलते संजय नगर होली चौराहे के पास बंटी ठाकुर वाली गली में आंधी पानी में पीपल का पेड़ दो मकान पर गिरा

बरेली में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। करीब साढ़े दस बजे तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि, तेज आंधी ने जिलेभर में भारी तबाही मचाई। शहर में मालियों की पुलिया के पास एक यूनिपोल गिर गया। इसके अलावा शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में कई पेड़ गिर गए हैं। अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं में कई लोग घायल हुए हैं। वहीं, आंधी-बारिश से बिजली व्यवस्था पटरी से उतर गई है। कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। आंधी के दौरान मुरादाबाद और रोजा के बीच ओएचई लाइन क्षतिग्रस्त होने से रेल यातायात भी बाधित रहा।

बरेली बनेगा नया आध्यात्मिक हब

योगी सरकार का 'नाथ कॉरिडोर' देगा धार्मिक पर्यटन को नई उड़ान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। अयोध्या, काशी और मथुरा के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार बरेली के प्राचीन नाथ मंदिरों और शिव स्थलों को भव्य पहचान देने में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में 'नाथ कॉरिडोर' परियोजना के तहत 10 प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास तेजी से किया जा रहा है। करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ आध्यात्मिक अनुभव देने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सरकार 'विकास भी, विरासत भी' की सोच के साथ नाथ परंपरा से जुड़े भगवान शिव के प्राचीन मंदिरों को संरक्षित और विकसित कर रही है।

नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत धोपेश्वर नाथ, वनखंडी नाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वर नाथ, अलखनाथ, पशुपतिनाथ, तुलसी मठ और मढ़ीनाथ जैसे प्रमुख स्थलों का पर्यटन विकास कराया जा रहा है। अलखनाथ मंदिर में वैदिक लाइब्रेरी, मुख्य द्वार और यात्री सुविधाएं विकसित होंगी, जबकि कई मंदिरों में सौंदर्यीकरण, एलईडी लाइटिंग, परिक्रमा मार्ग, यात्री शेड और प्रसाद केंद्र बनाए जाएंगे।

सावन में आने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से मूलभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा ताकि यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बन सके।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश में 156 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, जबकि अकेले बरेली में 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आगमन हुआ। उन्होंने कहा कि नाथ कॉरिडोर प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

नवदिया फ्लाईओवर पर एक जुलाई से फर्राटा भरेंगे वाहन

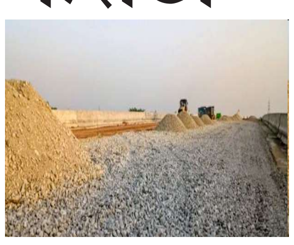

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बड़ा बाईपास पर हादसों को लेकर सबसे बड़ा ब्लैक स्पॉट बने नवदिया झादा पर बन रहे फ्लाईओवर पर 1 जुलाई से वाहन फर्राटा भरने लगेंगे। 980 मीटर लंबे सिक्सलेन ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। दिल्ली से शाहजहांपुर जाने वाले एप्रोच मार्ग पर भी तेजी काम चल रहा है। फ्लाईओवर पर सड़क डालने के लिए गिट्टी बिछाई जा रही है। एनएचएआई का दावा है कि जून के अंति तक सभी काम पूरे करने का लक्ष्य तय किया गया है। करीब 29.83 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का सफर चुनौतियों भरा रहा है। पहले इसे इसी साल जनवरी में पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन पिछले साल हुई बेमौसम और भारी बरसात ने काम की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया था। मौसम की मार के कारण निर्माण कार्य में देरी हुई, जिसके चलते अब जून की नई डेडलाइन तय की गई है। अधिकारियों का दावा है कि सिविल कंस्ट्रक्शन का काम अंतिम चरण में हैं। मई और जून में पेंटिंग, लाइटिंग, फिनिशिंग जैसे सौंदर्यीकरण के कार्यों को पूरा कर एक जुलाई से इसे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इधर, बता दें, नवदिया झादा चौराहा जिले का सबसे बड़ा ब्लैक स्पाट माना जाता है, इस पर अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके शुरू होने से दिल्ली-लखनऊ और नैनीताल मार्ग का सफर न केवल आसान होगा, बल्कि हाईवे पर लगने वाले भीषण जाम से भी हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी।

जाम के झाम से मिलेगी परमानेंट आजादी-'नवदिया झादा पर सिक्सलेन फ्लाईओवर के साथ-साथ एनएचएआई ने अंडरपास का निर्माण भी कराया गया है। यह अंडरपास उन हजारों यात्रियों के लिए वरदान साबित होगा जो बरेली-बीसलपुर मार्ग का उपयोग करते हैं। व्यवस्था के तहत बीसलपुर रोड का यातायात दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बन रहे फ्लाईओवर के नीचे अंडरपास से बिना किसी बाधा के सीधे आर-पार हो सकेगा। इससे यात्रियों को हाईवे के ट्रैफिक के बीच फंसने या लंबा मोड़ लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वर्तमान में निर्माण के चलते लोगों को दो किलोमीटर तक का अतिरिक्त चक्कर लगाकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है, जिससे न केवल समय बर्बाद हो रहा है बल्कि भीषण जाम की स्थिति भी बनी रहती है। यह अंडरपास इस समस्या को जड़ से खत्म कर देगा।

करगैना की आदिशक्ति मंदिर गली बनी तालाब, बारिश में घरों तक घुसता पानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बदायूं रोड स्थित करगैना पुलिस चौकी के सामने जागृति नगर की आदिशक्ति मंदिर वाली गली में हल्की बारिश भी स्थानीय लोगों के लिए आफत बन जाती है। कुछ ही देर की बरसात के बाद पूरी गली जलमग्न हो जाती है और हालात ऐसे बन जाते हैं कि लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। बारिश का पानी घरों में घुसने से घरेलू सामान खराब हो रहा है और लोगों के सामने जान-माल का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासियों राजा टेलर, राजीव चतुर्वेदी, शाहिद, वाजिद, संजय शर्मा, मुन्ना, अभिषेक गुप्ता, मुकेश पाठक, वैभव और उत्कर्ष सहित दर्जनों लोगों का कहना है कि गली में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। आसपास की सड़कों और अन्य गलियों का पानी भी इसी गली में आकर भर जाता है, जिससे पूरी सड़क तालाब में बदल जाती है। गली में लगे बिजली के लोहे के खंभों के चारों ओर पानी भरा रहने से हर समय करंट उतरने का डर बना रहता है। वैभव ने नाराजगी जताते हुए कहा, जनप्रतिनिधि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन बारिश शुरू होते ही हमारी गली की बदहाली सबकी पोल खोल देती है। लगता है कि जिम्मेदार लोग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। राजीव चतुर्वेदी ने कहा, करगैना पुलिस चौकी सामने है, विधायक का कार्यालय कुछ कदम की दूरी पर है, इसके बावजूद वर्षों से समस्या जस की तस बनी हुई है। शिकायतें करने के बाद भी सिर्फ आश्वासन मिले, समाधान नहीं। अनीता शर्मा ने कहा, बरसात में गली से निकलना जान जोखिम में डालने जैसा हो जाता है। यदि बिजली के खंभों में करंट उतर गया तो किसी की भी जान जा सकती है। उस स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी ? स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें यह भी याद नहीं कि गली की सड़क की आखिरी बार मरम्मत कब हुई थी। क्षेत्रवासियों ने सांसद, विधायक और शासन प्रशासन प्रशासन से तत्काल जल निकासी की स्थायी व्यवस्था और सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

धमकी देकर हवाई फायरिंग का आरोप, वकील समेत तीन हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। शहर के बारादरी थाना क्षेत्र में एक महिला को जान से मारने की धमकी देने और हवाई फायरिंग करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पीड़िता की शिकायत पर जगतपुर चौकी पुलिस ने एक वकील समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घेर जाफर खां निवासी महिला गुलशन ने आरोप लगाया है कि तीन सगे भाई काफी समय से उसके परिवार को परेशान कर रहे हैं। महिला का कहना है कि वह अपनी दो बेटियों के साथ घर पर मौजूद थी, तभी आरोपी उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने परिवार को जान से मारने की धमकी दी और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग कर दी। गुलशन के मुताबिक उस समय उसके पति और दोनों बेटे दुकान पर गए हुए थे। घटना के दौरान परिवार की महिलाएं और बच्चे काफी डर गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों भाई इलाके में दबंगई करते हैं और पहले भी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद उनकी हरकतें नहीं रुकीं। महिला ने घटना का वीडियो भी पुलिस को सौंपा है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शुरू की जांच- बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक पेशे से वकील भी है। बारादरी इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि शुरुआती जांच में एक फायर होने की बात सामने आई है। तहरीर और वीडियो के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

रिटायर्ड फौजी ने लाइसेंसी बंदूक से मारी गोली, पत्नी और भाई हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। मीरगंज क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर वृद्ध रिटायर्ड फौजी ने जान से मारने की नियत से अपनी लाइसेंसी बंदूक से जान से छोटे भाई पर गोली चला दी।

गोली लगने से छोटा भाई एवं पास में खड़ी फौजी की पत्नी घायल हो गईं।

घायल पत्नी को सीएचसी से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने फौजी को हिरासत में ले लिया है। जमीनी विवाद का कारण- मीरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम खमरिया आजमपुर के मंगलीसेन के तीन पुत्र हैं।

मंगली सेन के बड़े पुत्र रिटायर्ड फौजी सियाराम निवासी खमरिया आजमपुर का जमीन को लेकर काफी दिनों से छोटे भाई त्रिमोहन से विवाद चल रहा है।

मंगलवा की सुबह 10.30 बजे त्रिमोहन पुत्र मंगलीसेन हाल निवासी मोहल्ला ललितपुरी कस्बा मीरगंज जाम गांव के चौराहे के पा मलखान निवासी जाम को खेत की अपने ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे।

बारिश होने पर त्रिमोहन ट्रैक्टर अपने मकान में खड़ा कर बाइक से मीरगंज जा रहे थे।

जाम चौराहे पर वे बाइक रोक कर लोगों से बातचीत करने लगे।

उसी समय रिटायर्ड फौजी सियाराम पुत्र मंगलीसेन पत्नी नरायनी देवी के साथ स्कूटी से जाम चौराहे पर पहुंचे। त्रिमोहन का आरोप है सियाराम जमीन बंटवारे को लेकर उनसे गाली गलौच करने लगे। गोली चलाने की घटना-नरायनी देवी पति और देवर में बीच बचाव करने लगी। सियाराम ने लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की नियत से छोटे भाई त्रिमोहन पर अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चला दी। गोली नरायनी देवी के हाथ में लगीं। त्रिमोहन के हाथ में भी छर्रे लगे। घायल त्रिमोहन जान बचाने को गांव की ओर भाग गए।

असदनगर के व्यक्ति ने 112 को घटना की सूचना दी। पुलिस की कार्रवाई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस घायल त्रिमोहन एवं नरायनी देवी को पुलिस सीएचसी ले गई। सीएचसी से नरायनी देवी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस ने त्रिमोहन की तहरीर पर सियाराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। घायल त्रिमोहन ने बताया बड़े भाई पर दस बिस्वा जमीन ज्यादा है। मेरे तीन भाई हैं। हम बड़े भाई से दस बिस्वा जमीन के तीन हिस्से करने की कह रहे हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मेरे प्रभु जानते हैं घट घट की बजाए जा तू प्यारे हनुमान चुटकी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली, बड़े दूसरे मंगल को कंपनी बाग में टहल कमेटी की ओर से हनुमान मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया गया, जिसमें सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया। सुंदरकांड के बाद हनुमान चालीसा का भी पाठ किया गया, व हनुमान जी की आरती भी हुई, उसके बाद प्रसाद वितरण हुआ, प्रसाद वितरण के बाद कंपनी बाग में ही टहल कम्युनिटी के पदाधिकारी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, इसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया, इसमें सहयोग राजेंद्र अग्रवाल,गिरधर गोपाल खंडेलवाल, राकेश खंडेलवाल, राजेश खंडेलवाल, केके माहेश्वरी , भजन गायक जगदीश भाटिया आदि का रहा।

कहर बनकर बरसी 'लेडी सिंघम'.101 तस्कर भेजे गए जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। जिले के देहात क्षेत्र में नशे के कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एसपी नॉर्थ अंशिका वर्मा सख्त तेवर में नजर आ रही हैं। जिले में लोग उन्हें अब 'लेडी सिंघम' के नाम से पुकारने लगे हैं। जनवरी से अब तक उनके नेतृत्व में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 101 तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इस अभियान के दौरान करीब 18 करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। इनमें स्मैक, गांजा, अफीम और अन्य नशीले पदार्थ शामिल हैं। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल होने वाले कई वाहन भी जब्त किए हैं। एसपी नॉर्थ के निर्देशन में फतेहगंज पश्चिमी, फतेहगंज पूर्वी, मीरगंज, फरीदपुर और आंवला थाना क्षेत्रों में लगातार दबिश और चेकिंग अभियान चलाए गए। कई मामलों में अंतरजनपदीय तस्कर गिरोहों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर नशे का नेटवर्क संचालित करने वालों की सूची तैयार कर निगरानी बढ़ा दी है। एसपी नॉर्थ अंशिका वर्मा ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने और अपराध पर नियंत्रण के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने साफ कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी करने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उनका कहना है कि अभियान के चलते ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में नशे के कारोबार पर काफी हद तक अंकुश लगा है। वहीं लगातार हो रही कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। इसके साथ ही भमोरा में कुछ तस्करों की संपत्ति को भी फ्रीज कराया गया है।

ई-लॉटरी से चमकी किसानों की किस्मत, अनुदान पर मिलेगा बीज का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली । कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में बड़ी पहल करते हुए वर्ष 2026-27 की विभिन्न योजनाओं के तहत बीज वितरण के लिए ई-लॉटरी प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसानों का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। कृषि विभाग को निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने के बाद किसानों के चयन के लिए ई-लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई। इस दौरान ढैचा, धान, अरहर, उड़द और मूंग सहित विभिन्न बीजों के वितरण हेतु किसानों का चयन किया गया। ई-लॉटरी के जरिए ढैचा बीज 45 कुंतल, धान बीज 451.04 कुंतल, अरहर बीज 13 कुंतल, अरहर मिनीकिट 34 पैकेट, उड़द मिनीकिट 1558 पैकेट और मूंग बीज व मिनीकिट के लिए पात्र किसानों का चयन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद किसान कालीचरन ने बताया कि उन्हें ढैचा बीज हेतु चयन की सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त हो गई है। अन्य किसानों ने भी बताया कि चयन की जानकारी सीधे उनके मोबाइल पर भेजी गई है। ई-लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उप कृषि निदेशक ने सभी अधिकारियों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी, वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

डीएम ने की विकास व निर्माण कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं जिलाधिकारी अवनीश राय ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जनपद के विकास कार्यों व 50 लाख रुपए से अधिक व कम लागत की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने व समय से कार्य पूर्ण करने के लिए कहा। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पाया कि अप्रैल 2026 में जनपद को विकास कार्यों में 42 वी, राजस्व में 19 व संयुक्त रूप से 23वीं रैंक प्राप्त हुई है। इनमें से 53 कार्यों व परियोजनाओं में ए रैंकिंग, 04 में बी रैंकिंग , 01 में सी रैंकिंग तथा 03 में डी रैंकिंग प्राप्त हुई है, 24 ऐसे कार्य व परियोजनाएं हैं जिसमें रैंकिंग नहीं की गई है। उन्होंने मुख्य प्रदर्शन घटक (केपीआई) को ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए कहा बैठक के दौरान ग्रामीण पाइप पेयजल योजना अंतर्गत पाया गया कि 130 परियोजनाओं में 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है जिस पर जिलाधिकारी ने उपस्थित खंड विकास अधिकारियों को इसकी सूची प्राप्त कर उसको चेक करने के लिए कहा। पाया गया की 847 परियोजनाओं में से 312 का कार्य पूर्ण हो गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के अभियंता व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने में जुटे डीएम, सीएचसी डकोर का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलीवरी, जांच और दवा व्यवस्था मिली संतोषजनक, मरीजों से संवाद कर जाना हाल – लैब में दो एसी लगाने की स्वीकृति, फार्मासिस्ट तैनाती के निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डकोर का आकस्मिक निरीक्षण कर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाना रहा। जिलाधिकारी ने अस्पताल में संचालित डिलीवरी सेवाओं, पैथोलॉजी जांच, दवा वितरण, टीकाकरण एवं अन्य चिकित्सा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि अस्पताल में डिलीवरी की सुविधा सुचारु रूप से संचालित हो रही है तथा मरीजों को आवश्यक जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता एवं चिकित्सकों द्वारा भी सेवाओं के बेहतर संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं तीमारदारों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। मरीजों ने अस्पताल में मिलने वाली निःशुल्क दवाओं एवं जांच सुविधाओं पर संतोष जताया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित एएनएम से भी विस्तार से बातचीत की और कहा कि ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भधारण के प्रारंभिक समय से लेकर सुरक्षित प्रसव तक महिलाओं को जीवन रक्षक दवाएं, पोषण संबंधी औषधियां तथा टीकाकरण की सुविधाएं समय से और सहज रूप से उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने लैब का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहले जांच सुविधाओं के अभाव में लोगों को काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब प्रदेश सरकार की प्राथमिकता के चलते गांव स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। लैब में सभी आवश्यक जांचें संचालित पाए जाने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही जांच सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तत्काल दो एसी लगाए जाने के निर्देश दिए तथा इसकी स्वीकृति भी प्रदान कर दी। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एसी लगने से मरीजों एवं कर्मचारियों दोनों को बेहतर वातावरण मिलेगा और जांच कार्यों की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पताल में दो फार्मासिस्टों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, जिससे दवा वितरण व्यवस्था और अधिक सुचारु एवं व्यवस्थित हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से उपलब्ध हों। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, चिकित्सक आदि मौजूद रहे।

जिला कारागार उरई पहुंचीं सचिव शाम्भवी, बंदियों की समस्याएं सुनीं; जेल प्रशासन को दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/जमानत के बाद भी बंद कैदियों की सूची मांगी, महिला बंदियों और बच्चों की व्यवस्था भी परखी उरई/जालौन। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शाम्भवी ने मंगलवार को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। निरीक्षण के दौरान सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि जिन बंदियों की जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी है, लेकिन जमानतदार न मिलने के कारण रिहाई नहीं हो पा रही है, उनकी सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय भेजी जाए, ताकि प्रभावी पैरवी कर उन्हें जल्द रिहा कराया जा सके। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों के लिए राज्य की ओर से जमानत की प्रक्रिया कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही महिला बंदियों, उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा, खान-पान और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

सचिव ने यह भी कहा कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं या जिनकी न्यायालय में सही पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

इसके बाद जेल चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। बातचीत में बंदियों ने किसी विशेष समस्या की शिकायत नहीं की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक नीरज देव, कारापाल प्रदीप कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल बर्मन, उपकारापाल अमर सिंह, संगेश कुमार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक शुभम शुक्ला मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने टेडी बेयर निर्माण प्रशिक्षण शिविर का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार /पीलीभीत / जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित वॉटर प्यूरीफायर स्टॉल का किया उद्घाटन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह द्वारा आज विकास भवन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित वाल पेंटिंग का अवलोकन किया तथा बनाई गई आकर्षक कलाकृतियों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान बड़ौदा आर-सेटी विकास भवन में टेडी बियर निर्माण प्रशिक्षण शिविर का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं एवं युवतियों से संवाद कर प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं स्वरोजगार की संभावनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया। फोन पर उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु ट्रेनिंग के पश्चात स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित वॉटर प्यूरीफायर स्टॉल का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा स्थानीय स्तर पर उत्पाद निर्माण के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, उपायुक्त स्वतः रोजगार सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गांधी प्रेक्षागृह में पाठशाला कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत स्कूली बच्चों से जिलाधिकारी ने किया संवाद महिला कल्याण विभाग पीलीभीत द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्टेचू का अनावरण जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा गांधी स्टेडियम पीलीभीत में किया गया। साथ ही समस्त तहसीलों, विकास खण्डों, विकास भवन, कलेक्ट्रेट, सिविल कोर्ट व अन्य सरकारी कार्यालयों हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगों युक्त बेंचों को रवाना किया गया। तत्पश्चात मां शारदे के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बरहा कंपोजिट विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसी क्रम में अनेक विद्यालयों की छात्राओं द्वारा अनेक प्रश्नों को पूछा गया। जिनका उत्तर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी महोदया, अपर पुलिस अधीक्षक महोदया नताशा गोयल एवं मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, एनआरएलएम, जिला प्रोबेशन अधिकारीय, क्रीड़ा अधिकारी आदि द्वारा संतोष जनक उत्तर दिए गए। इसी क्रम में विकास भवन पीलीभीत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ गलियारा का उद्घाटन जिलाधिकारी महोदय द्वारा किया गया जिसमें अनेक सामाजिक कुरीतियां जैसे बाल विवाह, महिला सशक्तिकरण महिला शिक्षा अनेक विषयों पर वॉल पेंटिंग कराई गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी क्षेत्र की करनपुर चौकी के गांव चन्दूपुरा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका के परिजनो ने ससुराल पक्ष पर हत्या का गंभीर आरोप लगाए है।और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुरादाबाद जनपद के थाना डिलारी क्षेत्र की करनपुर चौकी के गांव चन्दूपुरा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि सुधा की शादी वर्ष 2019 में चन्दूपुरा निवासी आकाश के साथ हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और दो बेटियां शामिल हैं। घटना दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर सुधा की हत्या करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और पुलिस से कार्रवाई की मांग की।सूचना पर थाना डिलारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

उर्वरक वितरण केंद्रों पर प्रशासन की विशेष व्यवस्था, भ्रामक खबरों पर दी सफाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक खबरों के बाद जिला प्रशासन ने वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि बदरवास सहित जिले के सभी केंद्रों पर खाद वितरण कार्य पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। सोशल मीडिया पर बदरवास में किसानों के धूप में परेशान होने संबंधी खबर सामने आने पर कलेक्टर ने तत्काल मार्कफेड जिला अधिकारी एवं कृषि विभाग के उपसंचालक से जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बदरवास स्थित ई-टोकन वितरण केंद्र बीआरसी भवन में किसानों के लिए पर्याप्त छाया और पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध है। भवन का बरामदा, छायादार वृक्ष एवं 24 घंटे बोरवेल सुविधा मौजूद है। भीषण गर्मी को देखते हुए अतिरिक्त ग्रीन मैटी भी लगाई गई है। प्रशासन के अनुसार किसान वीआरसी भवन में ई-टोकन स्कैन कर एवं पॉस मशीन में अंगूठा लगाकर लगभग 400 मीटर दूर स्थित मार्कफेड भंडारण केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर रहे हैं। बदरवास केंद्र से 82 किसानों ने ई-टोकन के माध्यम से 2.8 मैट्रिक टन यूरिया एवं 28.35 मैट्रिक टन एनपीके उर्वरक प्राप्त किया है। कृषि विभाग के अनुसार खरीफ सीजन में 1 अप्रैल से अब तक 356 किसानों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से 37.755 मैट्रिक टन यूरिया, 25 मैट्रिक टन डीएपी तथा 65.9 मैट्रिक टन एनपीके उर्वरक वितरित किया जा चुका है। विभाग ने बताया कि इस अवधि में किसी भी किसान द्वारा धूप में लंबी लाइन, छाया या पेयजल संबंधी शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और वितरण कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। कृषि विभाग एवं मार्कफेड के अधिकारी-कर्मचारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित, 30 मई तक कर सकेंगे आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की 'आत्मा' योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उन्नतशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। परियोजना संचालक (आत्मा) ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे किसान जिन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया है, उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिला स्तर पर चयनित सर्वश्रेष्ठ कृषक को 25 हजार रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा, जबकि विकासखंड स्तर पर चयनित किसानों को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इच्छुक किसान अपने संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र को सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित 30 मई 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पिछले तीन वर्षों में इस पुरस्कार से सम्मानित किसान इस वर्ष आवेदन के पात्र नहीं होंगे। विभाग के अनुसार योजना का उद्देश्य जिले के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों के प्रति प्रोत्साहित करना है, ताकि कृषि उत्पादन एवं आय में वृद्धि हो सके।

प्रेम विवाह के बाद युवती को ससुराल से उठाकर ले जाने का आरोप, डिलारी थाना क्षेत्र में मारपीट और तोड़फोड़ से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद जनपद के थाना डिलारी क्षेत्र के गांव मानपुर सावित में प्रेम विवाह को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित अरवाज पुत्र शमसुद्दीन ने पुलिस को लिखित तहरीर में जानकारी देते हुए बताया कि उसका गांव की ही रहने वाली सिमरन पुत्री इंतजार अली के साथ पिछले करीब पांच वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों बालिग होने के कारण 2 मई 2026 को मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ दोनों ही परिवारों की सहमति से निकाह करा दिया गया ।आरोप है कि युवती के परिजन इस निकाह से नाराज थे। पीड़ित के अनुसार 11 मई की शाम करीब 5 बजे घर में शादी का माहौल था और परिवार के सभी सदस्य मैरिज हाल में थे और कुछ ही सदस्य घर पर मौजूद थे।

तभी युवती के पिता समेत दर्जन भर लोग लाठी-डंडों और बेल्ट लेकर घर में घुस आए और परिवार के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी।पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने घर में तोड़फोड़ करते हुए कैमरे का डीवीआर और एलईडी भी क्षतिग्रस्त कर दी और कैमरे डीवीआर उखाड़ ले गए । घर में मौजूद लोगो के विरोध करने पर बेरहमी से पिटा और गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि इसके बाद आरोपी नव विवाहित युवती सिमरन को जबरन अपने साथ ले गए और मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही अरवाज भी मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आरोपी जा चुके थे। पीड़ित ने आशंका जताई है कि उसकी पत्नी के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। साथ ही बताया कि आरोपी दो मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर भाग गए।पीड़ित ने थाना डिलारी पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

धानुक समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

मुख्य अतिथि एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने धर्मशाला निर्माण हेतु पच्चीस लाख रूपये देने की घोषणा की

क्यूँ न लिखूँ सच/ डा संजीव निरंजन ने समाज की धर्मशाला हेतु एक प्लाट देने की घोषणा की कोंच(जालौन) आज स्थानीय बलदाऊ जी धर्मशाला में धानुक समाज के तत्वाधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी रमा निरंजन के प्रतिनिधि आरपी निरंजन पूर्व बार संघ के अध्यक्ष विज्ञान विशारद सीरौठिया नगर के युवा समाजसेवी डा संजीव निरंजन अपना दल के नेता और आशीष पटेल मंत्री के प्रतिनिधि ब्रज नारायण निरंजन बब्बू राजा अटा अपना दल एस के माधोगढ़ विधान सभा अध्यक्ष राहुल पटेल भदौरिया नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद सादाब अंसारी किसान मोर्चा के जिला महासचिव राजीव निरंजन वर्द प्रदीप निरंजन सोबरन सिंह जिलाध्यक्ष धानुक समाज संजू कठेरिया सदस्य जिला पंचायत सिकरी भाजयुमो के जिलाध्यक्ष संदीप कठेरिया जितेंद्र जीतू मंचस्थ रहे जब की कार्यक्रम की अध्यक्षता रामजी लाल प्रधान परासनी ने की इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल सात जोड़े शामिल रहे इस अवसर पर आयोजक सागर मेहरा और ओमप्रकाश मेहरा बाबू जी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर मंचस्थ अतिथि डा संजीव निरंजन ने समाज की धर्मशाला हेतु एक प्लाट देने की घोषणा की जिससे समाज के लोग उसको इस्तेमाल कर सके मुख्य अतिथि एमएलसी आरपी निरंजन ने भी समाज की बेहद मानव को देखते हुऐ अपनी निधि से इस धर्मशाला के निर्माण हेतु पच्चीस लाख रुपए देने की घोषणा की साथ ही अपने संबोधन में कहा कि यह धर्मशाला जब बन जाएगी तो कही ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी

उन्होंने कहा कि जब भी वह इस तरह के कार्यक्रम करे तो कार्यक्रम करने के पहले मुझे मिले वह इस कार्यक्रम हेतु 51 हजार रूपये देने का काम करेंगे और इस तरह के पुण्य के भागीदार भी बन सकेंगे उन्होंने समाज से भी अपेक्षा की है कि अभी वह प्रतिनिधि है और यह प्रतिनिधि शब्द तभी हटेगा जब आप लोग मुझे वोट देकर जन प्रतिनिधि बना देंगे उन्होंने कहा कि इस समाज के लिये वह हर समस्त सहयोग करने के लिये तैयार है बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विज्ञान विशारद सीरौठिया ने कहा कि समाज की इस मांग को उन्होंने पूरा करा दिया है आप की भी जिम्मेदारी बनती है कि आप आरपी निरंजन का हर हाल में सहयोग करे जिला पंचायत सदस्य संजू कठेरिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन से निश्चित ही अनावश्यक खर्चे पर रोक लगती है कार्यक्रम में सात जोड़े गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किए सभी जोड़ो को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर आशीर्वाद प्रदान किया गया

चाचूपुर जाने से पहले सपा प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने रोका, प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर परिजनों से मिलने जा रहे थे नेता

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद / फर्रुखाबाद्-राजेपुर थाना क्षेत्र के चाचूपुर गांव में एक युवक का शव नाले में मिलने के बाद हुए बवाल और पुलिस पर पथराव की घटना के बाद, मंगलवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मृतक के परिजनों से मिलने गांव के लिए निकला। हालांकि, आवास विकास स्थित पार्टी कार्यालय पर ही पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक लिया और पहले पुलिस अधीक्षक (एसपी) से मिलने को कहा। प्रतिनिधिमंडल में ये वरिष्ठ नेता थे शामिल- सपा के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर गठित इस प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व प्रदेश सचिव डॉ. नवल किशोर शाक्य, प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, डॉ. जेपी सिंह वर्मा और अमृतपुर विधानसभा अध्यक्ष उदय प्रताप शामिल थे। इस प्रतिनिधिमंडल को चाचूपुर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात करनी थी

और अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को भेजनी थी। पुलिस और सपा नेताओं के बीच चली लंबी बातचीत- मंगलवार को जैसे ही प्रतिनिधिमंडल के सदस्य आवास विकास स्थित सपा कार्यालय पर एकत्र हुए, सीओ सिटी अभय वर्मा, सीओ अमृतपुर ऐश्वर्या उपाध्याय, कादरी गेट थाना पुलिस और अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। सपा नेता पहले सीधे चाचूपुर जाने की बात पर अड़े रहे, जबकि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पहले फतेहगढ़ स्थित एसपी कार्यालय चलकर बातचीत करने को कहा। इस दौरान कार्यालय में काफी देर तक पुलिस और सपा नेताओं के बीच गतिरोध बना रहा।

नेताओं की प्रतिक्रिया और आगे का घटनाक्रम--इस मामले पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य और प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर गांव जा रहे प्रतिनिधिमंडल को पुलिस प्रशासन द्वारा बीच रास्ते में ही रोक दिया गया। काफी जद्दोजहद के बाद, प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य फतेहगढ़ स्थित एसपी कार्यालय पहुंचे। वहां पुलिस अधीक्षक से वार्ता संपन्न होने के बाद, अंततः समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल चाचूपुर गांव के लिए रवाना हो गया।

महिलाओं और युवतियों के साथ स्वच्छता, स्वास्थ्य और जल संरक्षण के विषयों पर चर्चा की गई

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद /जनपद के ग्राम नगला बली में आयोजित आईएसडीपी स्वच्छ सेवा संस्था लखनऊ की टीम द्वारा जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों को पानी बचाने का संदेश देते हुए जल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के दौरान बच्चों को जल है तो कल है और जल ही जीवन है जैसे प्रेरणादायक संदेशों के माध्यम से जागरूक किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि लगातार गिरते जलस्तर और पानी की बर्बादी आने वाले समय में बड़ी समस्या बन सकती है, इसलिए अभी से सतर्क होना जरूरी है। महिलाओं और युवतियों की बैठक आयोजित कर स्वच्छता, जल संरक्षण और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों ने भी जल बचाने और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था की टीम के साथ गांव के कई सम्मानित लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव-गांव तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाना और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना रहा।

नवाबगंज ब्लॉक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा अलर्ट! ,मोबाइल बना बच्चों के लिए खतरा?

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद / अभिभावक रहें सतर्क, बच्चों की हर गतिविधि पर रखें नजर - BDO अमरेश सिंह चौहानफर्रुखाबाद के विकास खंड नवाबगंज में मंगलवार को आयोजित ‘बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति’ की बैठक में बच्चों की सुरक्षा, मोबाइल के बढ़ते दुरुपयोग और बाल संरक्षण कानूनों को लेकर गंभीर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी अमरेश सिंह चौहान ने की। उन्होंने कहा कि आज के समय में मोबाइल बच्चों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। अभिभावकों को यह जरूर देखना चाहिए कि बच्चा मोबाइल पर कितना समय बिता रहा है और किससे बातचीत कर रहा है। कई अपराधों की जड़ मोबाइल बन चुका है। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में दिक्कत हो तो तुरंत करें शिकायत-BDO ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बेहद जरूरी हैं। यदि किसी को प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी हो रही है तो तत्काल अधिकारियों को सूचित करें। बिना प्रक्रिया कोई बच्चा गोद नहीं ले सकता बाल संरक्षण अधिकारी सचिन सिंह ने बताया कि 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को कोई व्यक्ति सीधे गोद नहीं ले सकता। इसके लिए केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण (CARA) की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण और तय प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। बैठक में किशोर न्याय अधिनियम, बाल श्रम कानून, गुड टच-बैड टच जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। बाल विकास परियोजना अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित पुष्टाहार वितरण और बच्चों का विद्यालयों में शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बाल कल्याण पुलिस अधिकारी सत्य नारायण, सहायक विकास अधिकारी पंचायत किशन पाल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अखलेश कुमार, ब्लॉक समन्वयक कुणाल मिश्रा समेत कई लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने की दिशा में श्रावस्ती की बड़ी पहल: हरिहरपुर रानी की 6 ग्राम पंचायतें बाल श्रम मुक्त घोषित

क्यूँ न लिखूँ सच/ जगत राम विश्वकर्मा/ श्रावस्ती विकास खण्ड हरिहरपुर रानी के सभागार में ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में माननीय मुख्यमंत्री जी के %बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश% (लक्ष्य 2026-2027) के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 6 ग्राम पंचायतों रेवलिया, पूरेधारी, बनकटवा, पतिझिया, राजावीरपुर व तिलकपुर को बाल श्रम मुक्त करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इन ग्राम पंचायतों द्वारा पूर्व में ही ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक में बाल श्रम मुक्त होने का प्रस्ताव पारित किया जा चुका था, जिसका आज ब्लॉक स्तर पर औपचारिक अनुमोदन कर दिया गया।

बैठक में जिला सलाहकार (श्रम विभाग) मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान श्रावस्ती व ब्रिटिश एशियन इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधि राजेश कुमार ने बताया कि श्रम विभाग और %मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान% द्वारा जिले में बाल श्रम के उन्मूलन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बाल श्रम के विभिन्न प्रकारों और बच्चों के भविष्य पर इसके पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। जिला प्रोबेशन कार्यालय से संजय कुमार वर्मा ने बाल श्रम व बाल विवाह को जड़ से खत्म करने में ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों और अन्य हितधारकों की भूमिका को रेखांकित किया। सामाजिक कार्यकर्ता तारिक ने जोर दिया कि ग्राम पंचायतों के बजट का उपयोग %बाल हितैषी% बुनियादी ढांचा तैयार करने में होना चाहिए। उन्होंने गाँवों में किशोरी और युवा समूहों के गठन और उन्हें मजबूत करने की अपील की। निगरानी तंत्र पंचायत सचिवों ने जानकारी दी कि प्रत्येक गाँव में प्रवासी रजिस्टर का रखरखाव किया जा रहा है और इसकी नियमित मॉनिटरिंग हो रही है। श्रम विभाग द्वारा सुझाव दिया गया कि पारदर्शिता हेतु यह रजिस्टर स्कूल स्तर पर भी अनिवार्य रूप से रखा जाए। बैठक में उपस्थित विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने विश्वास दिलाया कि उनके क्षेत्र में बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जन-जागरूकता रैलियां और पोस्टर अभियान युद्धस्तर पर जारी हैं। स अवसर पर,ष्ठह हरिओम मिश्र, श्रम विभाग की टीम, पंचायत सहायक, सचिव एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीओ सिटी ने पेश की जनसेवा और संवेदनशीलता की मिसाल: कुर्सी छोड़ दिव्यांग फरियादी के पास पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद / फर्रुखाबाद. पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान खाकी का एक बेहद मानवीय और संवेदनशील चेहरा सामने आया। यहां क्षेत्राधिकारी (नगर) ने जनसेवा की एक बेहतरीन मिसाल पेश करते हुए यह साबित कर दिया कि पुलिस प्रशासन आम जनता के दर्द को समझता है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसपी कार्यालय में फरियादियों की समस्याएं सुनी जा रही थीं। इसी बीच एक दिव्यांग आवेदक अपनी फरियाद लेकर वहां पहुंचा। दिव्यांग को देखते ही क्षेत्राधिकारी (नगर) ने तनिक भी देर नहीं की और अपनी कुर्सी छोड़कर खुद चलकर पीड़ित के पास पहुंच गए। उन्होंने पूरी आत्मीयता के साथ दिव्यांग फरियादी की समस्या को सुना और उसकी परेशानी को समझा। मामले को संज्ञान में लेते हुए, सीओ सिटी ने बिना किसी देरी के मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने और समस्या के शीघ्र निराकरण के कड़े निर्देश दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के इस संवेदनशील और मानवीय व्यवहार ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। फतेहगढ़ पुलिस का यह रूप इस बात का परिचायक है कि प्रशासन विशेषकर असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए न केवल तत्पर है, बल्कि पूरी तरह संवेदनशील भी है।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में महिलाओं हेतु इंडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में श्रीमती प्रेरणा शर्मा, संदीक्षा अध्यक्षा की अध्यक्षता में 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के वाहिनी मुख्यालय में महिलाओं के लिए विभिन्न इंडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत चम्मच-नींबू बैलेंस प्रतियोगिता, बैलून फुलाने की प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर एवं लॉटरी एक्ट खेल आयोजित किए गए, जिसमें संदीक्षा सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों एवं उपस्थित सदस्यों में विशेष उत्साह एवं आनंद का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर संदीक्षा अध्यक्षा श्रीमती प्रेरणा शर्मा ने मातृत्व दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माताएं परिवार और समाज की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होती हैं तथा ऐसे आयोजन महिलाओं में आत्मविश्वास, आपसी सहयोग एवं पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम उपरांत खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली संदीक्षा सदस्यों को संदीक्षा अध्यक्षा द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही महिलाओं को मिठाइयां एवं बच्चों को चॉकलेट वितरित की गई। इस अवसर पर वाहिनी के सभी संदीक्षा सदस्य एवं बच्चे उपस्थित रहे।

छात्रों ने सीखे आपदाओं से बचाव के तरीके

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। डीएम अन्नपूर्णा गर्ग के निर्देशानुसार आपदा मित्रों द्वारा स्कूलों और सामुदायिक स्थानों पर जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम मे सोमवार को जमुनहा क्षेत्र के ददौरा स्थित राजकीय इंटर कालेज मे आपदा मित्र पेशकार यादव और विवेक श्रीवास्तव द्वारा शिक्षकों और छात्रों को विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। डीएम अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि विभिन्न आपदाओं से होने वाले नुकसान को जनसमुदाय की जागरूकता से कम किया जा सकता है। डूबकर होने वाली मृत्यु, हीटवेव, कोल्डवेव, बाढ़, अग्निकांड आदि आपदाओं में सावधानी बरती जाये तो जन धन की हानि नियंत्रित हो सकती है इसलिए आपदा मित्रों के माध्यम से जागरूकता अभियान संचालित करवाये जा रहे हैं। इस बीच सीडीओ शाहिद अहमद द्वारा आम जनमानस को डूबने से बचाने के लिए संवेदनशील स्थलों पर जनजागरूकता होर्डिंग और बैनर लगाने के निर्देश जारी किये गये हैं। आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने बताया जिले मे डूबकर होने वाली मृत्यु की घटनायें घटित हो रही हैं। जिनसे आम जनमानस को बचाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। इन घटनाओं को रोकने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है।

Sugar vs. Jaggery: Is eating jaggery really better than sugar? A doctor reveals a shocking secret

Is jaggery truly healthy? Can people with diabetes or weight loss eat it without worry? If this question persists, let's discuss it in detail with a doctor. Sugary foods are considered one of the most harmful dietary habits. From tea to sweets, sugar is used in every household. However, if you continue to consume too much sugar, be careful; it can lead to many dangerous diseases. Excessive sugar intake is considered a risk factor for obesity, type 2 diabetes, fatty liver, high blood pressure, and heart disease. This is why people are now adopting jaggery as a healthy alternative to sugar. Ayurveda also touts it as a digestive aid and a warming agent. Furthermore, jaggery contains iron, calcium, potassium, and certain antioxidants, which can provide numerous benefits to the body. However, the question is: is jaggery truly healthy? Can it be used as a sugar substitute? What do health experts say? Senior gastrointestinal (GI) surgeon Dr. Anshuman Kaushal says, "Jaggery and sugar have almost the same effect on the body. When they enter our bodies, they produce glucose. Our pancreas doesn't differentiate between sugar and jaggery. Sugar is 100% sucrose, with a glycemic index of 65. Jaggery is 65-85% sucrose, with a glycemic index of 84. This means jaggery has a higher glycemic index than sugar. The glycemic index is a measure of how quickly a food increases sugar. Eating foods with a high glycemic index is often discouraged. Nutrients in jaggery: Doctors say, when it comes to jaggery, it's often said that it contains iron and minerals. But did you know that its actual content is very low? 100 grams of jaggery contains 11 milligrams of iron, which may sound like a lot, but you don't eat 100 grams of jaggery every day. Most people consume only 10-15 grams of jaggery, meaning you get only 1.1 milligrams of iron, which can easily be obtained from a single spinach leaf. However, along with jaggery, you are also unknowingly providing your body with sugar and calories. Eating jaggery for iron is like drinking wine with lemon juice for vitamin C. Which is better, sugar or jaggery? Doctors say that when we are told that jaggery is healthy, we tend to consume more of it without any worry. A study published in 2017 shows that if a package says "natural," people consume 35% more of it. Doctors say that sugar and jaggery are essentially the same thing. Both can cause fatty liver, insulin resistance, and belly fat. More important than choosing between sugar and jaggery is paying attention to the quantity. One spoon of sugar is much better than two spoons of jaggery. Take precautions while eating jaggery - Doctors say, eating jaggery in excess considering it healthy can lead to many problems. It contains both high calories and sugar, hence excessive consumption can cause weight gain. Diabetic patients should also be careful while eating jaggery. Apart from this, some jaggery available in the market may contain chemicals or impurities during cleaning and processing. Some people may also face problems like gas, indigestion or allergies if consumed in excess quantity.

Train: This mistake could result in a fine even with a confirmed train ticket; woman had to pay ?2560; learn the rules

Did you know that you have a confirmed train ticket, but one small mistake could cost you your seat? Let's find out what this mistake is. If you are traveling by train or about to travel, you must follow Indian Railways' rules. Failure to do so could result in a fine. For example, a woman was fined ?2560 by railway officials despite having a confirmed second AC train ticket. If you're wondering why this happened, let's find out why she was fined despite having a confirmed train ticket...what's the matter? A woman booked an AC 2-tier train ticket from Raika Bagh Junction, but boarded the train from this station. Railway staff, unable to find her seat, marked her seat status as NT (Not Turned Up). Approximately two hours after the train departed, the woman boarded the train from Pali Marwar station, but by then, the TTE had already allotted the seat to an RAC passenger. Consequently, the woman was fined because, according to the TTE, she had boarded the train from another station without officially changing the boarding station. This was considered a violation of the rules, and the woman was fined. What are the railway rules for changing the boarding station? According to the rules, you must board the train from the same station where you booked your ticket. If you wish to change your boarding station, you can do so, but you must do so 30 minutes before the train's departure. You can change your station through IRCTC or the reservation counter.

Summer Tiffin Tips: These 5 Tiffin Ideas Won't Spoil Even in the Extreme Heat, Prepare Them in the Morning and Stay Fresh Until Evening

Which lunch doesn't spoil quickly in the summer? Dry food is considered the safest during the scorching heat. Food items like Masala Paratha, Gram Flour Cheela, Sattu Paratha, Veg Pulao, and Idli stay fresh for a long time due to their low moisture content. It's also important to completely cool the food before packing the tiffin. With the arrival of summer, the biggest challenge is keeping the food in the tiffin fresh for a long time. Often, food spoils within a few hours while at work, school, or traveling, which can also affect your health. Especially in the intense heat of May and June, yogurt, cream, gravies, or highly spiced items spoil quickly. Therefore, the question in every household is what to pack in the tiffin that is both tasty, healthy, and stays fresh for a long time. If you're tired of packing the same dry food every day, stop worrying. Here are some tiffin recipes that won't spoil quickly, even in the scorching heat. These recipes will be enjoyed by everyone, from children to adults, and they're incredibly easy to prepare. If you want your tiffin to be a top-notch tiffin option for both taste and health, these ideas will be very helpful. Masala Paratha and Dry Aloo Bhujia - Masala Paratha is considered the safest tiffin option during the scorching heat. It has low moisture, making it less likely to spoil quickly. You can make parathas by adding carom seeds, salt, turmeric, and a little oil to the flour. Combine it with dry aloo bhujia, using less onion and tomato. This combination easily stays fresh for 6-7 hours. Veg Pulao and Roasted Peanuts - If you're looking for something light yet filling, Veg Pulao is the best option. It doesn't have much gravy and doesn't spoil for long. Add vegetables like beans, carrots, and peas to the pulao, along with roasted peanuts. This will enhance the flavor and provide protein. Remember to pack the pulao only after it has cooled completely. Gram Flour Cheela Rolls - Gram flour-based items are considered relatively safe in the summer. You can make a gram flour cheela and stuff it with dry vegetables like a roll. This is also a perfect option for children's lunch boxes. The protein in gram flour provides energy and keeps you full for a long time. Serve it with dry garlic chutney instead of green chutney. Idli and Dry Coconut Chutney - Idli is considered the lightest and safest South Indian food tiffin. However, wet coconut chutney can spoil quickly, so use dry coconut chutney. Idli is light on the stomach and improves digestion in the summer heat. This is a great option for both children and office-goers. Sattu Paratha and Mango Pickle - Sattu is very popular in Bihar and Uttar Pradesh during the summer season. Sattu Paratha stays stale for a long time and also cools the body. Use less onion and serve with pickle. Sattu is rich in fiber and protein, which helps maintain energy throughout the day. It is also considered a reliable tiffin option during travel.

Priyanka Chopra attended the Gold Gala, showcasing Indian craftsmanship on a global stage; her mother was also seen with her

Actress Priyanka Chopra Jonas was recently honored at Gold House's fifth annual event, Gold Gala 2026. Her mother, Madhu Chopra, also attended the ceremony. On Sunday, Priyanka Chopra attended Gold House 2026, where she was awarded the Global Vanguard Honor. Priyanka arrived with her mother for this special occasion. The actress dazzled in a white dress and shared glimpses from the event on her social media accounts. Priyanka looked stunning in a white chikinkari dress. She completed her look with a Bulgari necklace and subtle smoky eye makeup. In this photo, Priyanka is seen posing on the red carpet of the event. Priyanka's mother, Madhu Chopra, also joined her daughter in this special moment. PC also shared a photo of her. In this photo, Priyanka is seen standing on stage, speaking, holding a trophy in her hand. The joy was clearly visible in the actress's eyes. Priyanka chose a dress designed by Amit Agarwal and Ami Patel for the event. Through this, she showcased Indian craftsmanship on a global stage. On the work front, Priyanka was recently seen in "Citadel 2." She will soon be seen in Rajamouli's project "Varanasi."Actress Priyanka Chopra Jonas was recently honored at Gold House's fifth annual event, Gold Gala 2026. Her mother, Madhu Chopra, also attended the ceremony. On Sunday, Priyanka Chopra attended Gold House 2026, where she was awarded the Global Vanguard Honor. Priyanka arrived with her mother for this special occasion. The actress dazzled in a white dress and shared glimpses from the event on her social media accounts. Priyanka looked stunning in a white chikinkari dress. She completed her look with a Bulgari necklace and subtle smoky eye makeup. In this photo, Priyanka is seen posing on the red carpet of the event. Priyanka's mother, Madhu Chopra, also joined her daughter in this special moment. PC also shared a photo of her. In this photo, Priyanka is seen standing on stage, speaking, holding a trophy in her hand. The joy was clearly visible in the actress's eyes. Priyanka chose a dress designed by Amit Agarwal and Ami Patel for the event. Through this, she showcased Indian craftsmanship on a global stage. On the work front, Priyanka was recently seen in "Citadel 2." She will soon be seen in Rajamouli's project "Varanasi."

Jacqueline Fernandez faces setback in fraudster Sukesh's money laundering case; ED opposes actress's request to become a government witness

Actress Jacqueline Fernandez has suffered a setback in the money laundering case involving fraudster Sukesh Chandrashekhar. The ED has rejected her request to become a government witness, calling her an equal partner. to become a government witness in crore money laundering case. She filed the ED has opposed her petition in this equal partner in the fraud. The ED history." The ED opposed Jacqueline's She was aware of the fraudster's past contact with Sukesh Chandrashekhar history. The Enforcement Directorate Fernandez witness status would be a the gravity of the crime. "Her claim of evidence," the ED told a Delhi court The Enforcement Directorate (ED) told Fernandez was fully aware of Sukesh yet she chose to continue her relationship even using a portion of his ill-gotten plea to become a approver in the ?200 her claim of being a victim is completely did Jacqueline say? - Jacqueline recently become a approver in the case. This Court refused to quash the criminal Chandrashekhar, who is currently in

Actress Jacqueline Fernandez had sought fraudster Sukesh Chandrashekhar's ?200 a petition in court last month. However, matter. The ED has called the actress an stated, "She was aware of the fraudster's petition, stating that she is not a victim. and still accepted gifts. She remained in despite knowing about his criminal (ED) stated that granting Jacqueline miscarriage of justice and would diminish victimhood is completely contrary to the that there is sufficient evidence against her. the court on Monday that Jacqueline Chandrashekhar's criminal background, with him, accepting expensive gifts, and wealth. The ED opposed the actress's crore money laundering case, stating that contrary to the evidence on record. What told a Delhi court that she wishes to move comes months after the Supreme proceedings against her. jail in connection with several cases, has consistently claimed that he is the actress's boyfriend. Although leaked photos indicate that the two knew each other closely, Jacqueline has reiterated in court that Sukesh misled her and led her to believe he was a legitimate businessman.

Alia Bhatt steals the show ahead of the Cannes Film Festival, her stylish look grabs everyone's attention; video goes viral

Bollywood actress Alia Bhatt made a stunning entry at Nice Airport in France ahead of the 2026 Cannes Film Festival, and her look has gone viral on social media. Find out what stood out. The Cannes Film Festival, the is returning this year. As always, Alia Bhatt, who stole the show with and has arrived in France. Several showing her dazzling in a casual casual travel style in a stylish and with puffed shoulders and a fitted the same brand, which made her powerful" style - To complete her Gucci. She was seen wearing sunglasses. She added a touch of heels. This airport look of Alia's is strengthening her global fashion It's worth noting that Alia Bhatt international events. She debuted her looks at the 2025 Cannes Film statement Alia Bhatt brings to the When will the Cannes Film Festival be held from May 12 to 23, 2026,

world's most prominent fashion and film festival, many Indian celebrities will grace the red carpet. her all-black look, is also ready to attend the festival videos of her are now going viral on social media, look. This time, Alia Bhatt departed from her usual classy all-black outfit. She wore a tailored blazer waist design. She paired it with black pants from look even more elegant. Alia's "sleek and look, Alia wore accessories from the luxury brand Gucci's iconic Jackie 1961 bag and round class to her overall look by wearing black satin being seen as a "sleek and powerful" style, further identity. Alia will attend the Cannes Film Festival - has previously made her presence felt at at the 2023 Met Gala and also made headlines with Festival. Now, all eyes are on what new fashion red carpet of the Cannes Film Festival this time. be held? The 79th Cannes Film Festival 2026 will in the French Riviera, in Cannes, France. The prestigious event is primarily held at the Palais des Festivals. The opening ceremony will begin on May 12, between the evening and midnight, Indian Standard Time.